स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक १०६ वि.सं. २०८३ कार्तिक २० गते शुक थारु सम्वत (२६४९) [Friday 06 November 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

बालविवाह न्यूनीकरण सक्कु पक्ष लग्लेसे केल्ह सम्भव



पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १९ कार्तिक । बालविवाह न्यूनिकरण सक्कु पक्ष लग्लेसे केल्ह सम्भव रहल एक कार्यक्रममे बटागिल बा ।

दलित महिला अधिकार मञ्च कैलालीके किशोरी सशक्तीकरण परियोजना अर्न्तगत विफेक रोज धनगढीमे बाल विवाह विरुद्ध बनल कानून कार्यान्वयनके अवस्था चुनौती ओ समाधानके उपाय विषयक सम्वाद कार्यक्रमके सहभागीहुक्के उ बाट बत्वाइल रहिट ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार सामाजिक विकास समितिके सभापति तथा प्रदेश सभा सदस्य धर्मराज पाठक बाल विवाह न्यूनिकरण कैना कानुन केल्ह प्रयाप्त नैरहल कहटी सक्कु पक्ष लग्लेसे केल्ह सम्भव रहल बटैलै । उहाँ कहलै, बाल विवाह न्यूनिकरणके कारण संघीय कानून बनल बा, प्रदेश सरकारसे कानून बनैले बा, न्यूनिकरण करेक लाग नीति तथा कार्यक्रम ल्यान्ले बा । ओटरा किल्ह नाही स्थानीय सरकारसेफे नीति तथा कार्यक्रम ल्यान्ले बा मने बालविवाह हुइटी बा । यिहीहे न्यूनिकरण करेक लाग सक्कु पक्ष लग्लेसे केल्ह न्यूनिकरण करेसेक्जाई ।

सक्कु चिज कानून नैहो समाजफे बा, उहाँ कहलै, प्रहरी कार्यालयमे मुद्दा दर्ता हुइटीकी अपराधी ठन्ना प्रवृति बा । दर्ता हुइल घटनाके सक्कु आरोपित दोषी हुइ नैसक्ठै सकारात्मक दृष्टिसे हेर्नाफे जरुरी बा ।

राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोग सुदूरपश्चिम प्रदेश कार्यालयके प्रमुख प्रकाश भट्ट बाल विवाहके घटनामे न्यूनिकरण आई नैसेकल मने उजरीफे नै परल बटैलै । बालविवाह न्यूनिकरण एक पक्षसे केल्ह न्यूनिकरण नैहुइना बल्की कानूनसंगे परिवार ओ समाजफे लग्ना जरुरी रहल बटैलै ।

सूदूरपश्चिम प्रदेश प्रहरी कार्यालयके एसपी महेन्द्र नेपाल अपराधिक घटना दर्ताके लाग प्रदेशके सक्कु जिल्ला प्रहरी कार्यालयमे महिला, बालबालिका तथा जेष्ठ नागरिक शाखा, मुद्दा फाँटके स्थापना हुइल बटैलै ।

उहाँ कहलै, कौनोफे घटनाके मुद्दा दर्ता करेआइबेर जोस्साके अइनापाछे मिलापत्र हुइल कहटी आइल ओरसे मुद्दा होस्टाइल हुइना बटैलै ।

उहाँ कहलै, यहाँ कानूनके अभाव नैहौ । मुद्दा नुकैना प्रवृति बा । अपराधिक घटना न्यूनिकरणके लाग प्रहरीसेफे प्रहरी साझेदारी कार्यक्रम संचालन करटी आइल बा । घटना हुइल बा कलेसे उहीहे जानकारी डेना सक्कु जानेक दायित्व हो ।

किशोरी संजालके प्रदेश अध्यक्ष रोशनी कोली बाल विवाह न्यूनिकरण करेक अभियान चलाईबेर साथ सहयोग पैनाके सट्टा उल्टे धामी खेपे पर्ना बाध्यता रहल बटैली । प्रहरी कार्यालयमे मुद्दा दर्ता करे जाई गोपनियता नैहुइल उहाँ बटैली । कैलाली कञ्चनपुरसेफे पहाडमे अभियान संचालन कैना झन गाह्रो रहल उहाँ बटैली ।

अभियान संचालन करेबेर मजाक के रुपमे लेहल बा, उहाँ कहली, बालविवाह न्यूनिकरण करेक लाग प्रहरी, स्थानीय तह ओ समाजसे साथ डेना आवश्यक बा ।

दलित महिला अधिकार मञ्च कैलालीके अध्यक्ष सावित्रा घिमिरे समाजमे रुढीवादी परम्परासे जर गारके बैठक कारण बालविवाह न्यूनिकरण हुइल नैसेकल बटैली । उहाँ कहली, शिक्षित परिवारमे वालविवाह तथा हिंसाके घटना बहल बा । कानून बा मने कार्यान्वयनके अभावसे घटनामे न्यूनिकरण हुई नैसेकल हो । मञ्चसे कैलालीके बर्दगोरिया गाउँपालिका, लम्कीचुहा नगरपालिका ओ जानकी गाउँपालिकामे विगत ७ बरससे किशोरी सशक्तीकरण परियोजना मार्फत ३ सय किशोरीहुकनहे समेटके समुह गठन करके कार्यक्रम आघे बहाइल बटैली ।

कार्यक्रममे मञ्चके उ परियोजनाके परियोजना अधिकृत विमला कडायत मञ्चसे संचालन करटी गतिविधि ओ बालविवाह न्यूनिकरणके लाग बनल ऐन कानून ओ व्यवस्थाबारे प्रस्तुतीकरण करल रहिट । कलेसे भगवती चौधरी गतिविधि संचालन पालिकामे कैगिल अनुसन्धानके प्रतिवेदन प्रस्तुत करल रहिट ।

कार्यक्रममे सुदूरपश्चिम प्रदेश सामाजिक विकास मन्त्रालयके सामाजिक विकास महाशाखाके शान्ती पन्त, जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीके ज्ञानेन्द्र बहादुर सिंह, महिला मानव अधिकार रक्षक संजालके अम्बिका भण्डारी, ओरेक कैलालीके जिल्ला संयोजक गीता चौधरी, गैसस महासंघ कैलालीके सचिव नरेश प्रसाद ओझा, फेदाके अध्यक्ष सविना सुनार, इन्द्रादान पाली, एकता नेपालके राज चौधरीलगायत प्यानल छलफलमे आपन जिज्ञाशा तथा बालविवाह न्यूनिकरण कैसिक कैना बाट राखल रहिट । मञ्चके अध्यक्ष सावित्रा घिमिरेके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रमके संचालन परियोजना अधिकृत विमला कडायत करल रहिट ।

धनगढी १९ के पच्चीस घर ओ आइगाउँमे रोप लाइट उद्घाटन



पहुरा समाचारदाता
धनगढी १९ कार्तिक । धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नम्बर १९ के पच्चीस घर ओ आइगाउँमे रोप लाइट जडान करल बा ।

सडक क्षेत्रमे जडान करल रोप लाइटके वडा नम्बर १९ के वडा अध्यक्ष बाधुराम चौधरी उद्घाटन करल हुइट ।

सडकहे ओजरार बनैनाके साथे रातिके समयमे आवागमन सहज बनैना ओ सहरी सौन्दर्य अभिवृद्धि कैना उद्देश्यले रोप लाइट जडान करल हो ।

रोप लाइट सञ्चालनमे आइ सगे १९ के पच्चीस घर ओ आइगाउँके रात्रिकालीन दृश्य थप आकर्षक बन्ना साथै स्थानीय बासिन्दा तथा यात्रुहेआवागमनमे सहजता हुइना अपेक्षा करल बा ।

धनगढी उपमहानगरपालिकासे नगरके टमान क्षेत्रमे ओजरार विस्तार करति सडक तथा सार्वजनिक क्षेत्रहे थप आकर्षक, सुरक्षित ओ व्यवस्थित बनैना कार्यहे निरन्तरता डेटी आइल बा । इ ओजरार धनगढी कार्यक्रमहे उपमहानगरपालिकासे एक वडा एक आर्थीक केन्द्रसँग फे जोरले बा ।

सुत्केरी महिलाके हेलिकोप्टर मार्फत उद्धार

पहुरा समाचारदाता
बाजुरा, १९ कार्तिक । बाजुरामे स्वास्थ्यमे जटिल समस्या डेखल एक सुत्केरी महिलाहे हेलिकोप्टरसे उद्धार करके सुर्खेत पठाइल बा ।

जिल्ला प्रशासन कार्यालय बाजुराके समन्वय ओ पहलमे त्रिवेणी नगरपालिका–७ के २४ वर्षीया जलुकुमारी भण्डारीके हवाई उद्धार करल हो । बिफेक बिहान जिल्ला अस्पताल बाजुरामे सुत्केरी हुइल भण्डारीके स्वास्थ्यमे जटिल समस्या डेखलपाछे महिला मन्त्रालयसँगे के समन्वयमे थप उपचारके लग प्रादेशिक अस्पताल सुर्खेत पठाइल जिल्ला प्रशासन कार्यालय बाजुरासे जनाइल बा ।

नवजात शिशुके अवस्था सामान्य रहलफे आमाके स्वास्थ्यमे जटिलता डेखल बिहान ९:४५ बजे हेलिकोप्टरमार्फत सुर्खेत पठाइलके प्रमुख जिल्ला अधिकारी मुक्तिराम रिजाल बटैले बटै ।

"मन्त्रालयमे हेलिकोप्टरके लग तत्काल समन्वय करलसँगे सुत्केरी महिलाहे हाली सुर्खेत पठाइल सफल हुइल," उहाँ कहलै । प्रमुख जिल्ला अधिकारी रिजालके अनुसार भण्डारीहे सुर्खेतस्थित प्रादेशिक अस्पतालमे पुगल उपचार हुइटीरहल बा ।

डेवारीके गेंदा फूला तयार



पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १९ कार्तिक । कैलालीके कैलारी गाउँपालिका–६ दुई कृषक समुहसे करल गेंदा (सयपत्री) फूला दिपावलीके लाग तयार हुइल बा ।

फूला खेतीमे संलग्न दुई कृषक समूहसे अपन उत्पादन करल फूला तयार हुइल जनैटि बजारीकरण तथा बिक्री वितरणके लाग आवश्यक सहयोग ओ बजार व्यवस्थापन कैडेना सरोकारवालासँग आग्रह करले बटैं ।

कैलारी गाउँपालिका वडा नं. ६, मसुरियामे रहल सालघारी कृषक समूह ओ वडा नं. ६, खरेटीमे रहल गौरव कृषक समूह सयपत्री फूल खेतीमे संलग्न रहल बा ।

सालघारी कृषक समूहके सम्पर्क व्यक्ति राजकुमारी *(बाँकी २ पेजमे)*



स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

सयपत्री फूलबारी तिहारके पर्खाइमे

पहुरा समाचारदाता

बाजुरा, १९ कार्तिक । बाजुराके बडीमालिका नगरपालिका-४ ओलेनाके कमल नाथके सयपत्री फूलबारी तिहारके पर्खाइमे बा । तिहारहे लक्षित करके गत सावन-भदौमे लगैल सयपत्रीके फूल अब्बे बारीभर ढकमक्क फुलल बटै ।

तिहारमे दिदीबहिनीयासे दाजुभाइहे सयपत्री ओ मखमली फूलके माला लगाइडेहल परम्परा बा । यिहीसे परम्पराहे लक्षित करटी कमलसे सयपत्री फूलके व्यावसायिक खेती सुरु करल हो ।

बाजुरामे सयपत्री ओ मखमलीलगायत फूल माजा फुल्ना हुइलफे व्यावसायिक खेती भर खास हुइना करल नै हो । स्थानीयसे घरआँगनमे सामान्य रूपमे फूल रोप्ना करलफे पछिल्का समय बजारमे प्लास्टिकके माला प्रयोग कैना चलन बह्टी गिल बा ।

ओस्टेकबिच, स्थानीय उत्पादनहे प्रोत्साहन कैना बडीमालिका नगरपालिकासे इ वर्ष तिहारमे बजारमे प्लास्टिकके माला बिक्रीमे रोक लगाइल बा । लुकिछिपी बिक्री करल पाइलमे आवश्यक कारबाही करना नगरपालिका जनैले बा ।

नगरपालिकाके निर्णयपाछे अपन बारीमे फुलल फूल बिक्री नहुइना हो कि कहना चिन्तामे रहलके कमलहे कुछ राहत मिलेल बा । उहाँसे इ वर्ष परीक्षणके रूपमे करिब तीन रोपनी जमिनमे सयपत्री खेती करल बा ।

'जिल्लामे पहिल चो मै सयपत्री फूलके खेती सुरु करल बटु । फूल खेती करनाफे बिक्री नैहुइना हो कि कहना चिन्ता रहे । मने, नगरपालिकासे तिहारमे प्लास्टिकके माला बिक्रीमे रोक लगाइलपाछे अब्बे फूला खेरा नैजाइना आशा पलाइल बा,' कमल कहलै ।

इ वर्ष उत्पादनसे माजा बजार पाइल आगामी दिनमे खेती विस्तार करके व्यावसायिक रूपमे आघे बह्ल उहाँके योजना बा ।

पहिल स्थानीयसे घरआँगनमे थोरचुन हुइलफे फूला लगाइना करल रहे । मने, गाउँबस्तीमे सडक विस्तार ओ बजारके पहुँच बह्लसंगे घरमे फूला लगैना चलन घट्टी गिल बा ।

डेवारीके गेंदा...

चौधरी (९८६८५३१७०७) रहल बटी कलेसे गौरव कृषक समूहके सम्पर्क व्यक्ति बुधराम चौधरी (९७६९९१५९४५) रहल बटैं ।

यी दुनु कृषक समूहसे व्यावसायिक रूपमे सयपत्री फूल खेती करटि आइल बा । उहाँहुत्रे उत्पादन करल फूलाहे उचित बजारसम पुगैना, बिक्री वितरणके व्यवस्था मिलैना तथा बजारसँग प्रत्यक्ष सम्बन्ध स्थापित करना सहयोग आवश्यक रहल जनाइल बा ।

स्थानीय स्तरमे फूल खेतीहे प्रोत्साहन करनाके साथे कृषकके उत्पादनसे उचित मूल्य पैना वातावरण निर्माण करना बजारसँगके सम्बन्ध विस्तार करेपरना आवश्यकता डेखाइल बा ।

यकर लाग सम्बन्धित निकाय, व्यापारी, फूला व्यवसायी तथा अन्य सरोकारवालाहे कृषक समूहसँग समन्वय कैके उत्पादित सयपत्री फूलाके बजारीकरणमे सहयोग करना आग्रह करल बा ।

साहास नेपाल लिफ्ट परियोजना मार्फत फूल खेतीके लाग सहयोग करल उ परियोजनाके सिनियर कृषि प्राबिधिक नहबहादुर जिरेल बटैलैं । अइसिन सहयोगसे स्थानीय उत्पादनके प्रवर्द्धन, कृषकके आयआर्जन वृद्धि ओ कृषि व्यवसायहे व्यावसायिक बनैना सहयोग पुग्न उहाँ बटैलैं ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनिके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पत्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

निजामतीमे सुधार ओ पुस्तान्तरण

विचार
रामप्रसाद आचार्य

निजामती सेवा राज्य सञ्चालनके स्थायी, व्यावसायिक ओ संस्थागत स्मृतिके प्रमुख आधार हो । सरकार ओ राजनीतिक नेतृत्व परिवर्तन हुइटिरहठ, नीति तथा प्राथमिकता फरठ मने राज्यके नीति, कानुन, प्रशासनिक प्रक्रिया ओ सार्वजनिक सेवा निरन्तर सञ्चालन करना जिम्मेवारी निजामती सेवा वहन करठ । टबेमारे निजामती सेवासम्बन्धी कानुन निर्माण कैके कर्मचारी व्यवस्थापनहे केवल दरबन्दी घटैना, कर्मचारी संख्या नियन्त्रण करना वा नयाँ पुस्ताहे प्रवेश करैना विषयके रूपमे किल हेरना उपयुक्त नैरहठ । यिहिनहे राज्यके संस्थागत क्षमता, प्रशासनिक निरन्तरता, सेवा सुरक्षा, वृत्ति विकास ओ सार्वजनिक सेवा प्रवाहसँग जोरके हेरना आवश्यक रहठ ।

हाल प्रस्तावित संघीय निजामती सेवा विधेयकमे ऐन प्रारम्भ होके बखत ५५ वर्ष उमेर पूरा करल वा ३० वर्ष सेवा अवधि पूरा करल कर्मचारीहे एक चोके लाग अनिवार्य अवकाश डेना ओ ओकरपाछे नियमित अवकाश उमेर ६० वर्ष कायम करना प्रस्ताव करल बा । यी व्यवस्था सामान्य अवकाश उमेर परिवर्तन किल नाइहो, संक्रमणकालीन रूपमे विद्यमान कर्मचारी संरचनामे भारी पुनर्संरचना करना नीति हो । यिहिनसे नयाँ पुस्ताहे अवसर डेना ओ प्रशासनहे गतिशील बनैना सम्भावना रलेसे फेन पर्याप्त तयारी ओ संक्रमण योजनाबिना लागु करलेसे अनुभवी जनशक्ति गुम्न, प्रशासनिक रिक्तता सिर्जना हुइना, संस्थागत स्मृति कमजोर हुइना ओ कर्मचारीमे अन्यायके अनुभूति बह्ना जोखिम फेन ओत्रे बा ।

अवकाश व्यवस्था ओ सेवा सर्त

हाल प्रचलित निजामती सेवा ऐन, २०४९ के दफा ३३ अनुसार सामान्यतया ५८ वर्ष उमेर पूरा हुइलपाछे निजामती कर्मचारी अनिवार्य अवकाश पैना व्यवस्था बा । निश्चित अवस्थामे स्वैच्छिक अवकाशके समेत व्यवस्था करल बा । ओस्टेक २० वर्ष वा उहिनसे ढेर सरकारी सेवा करल कर्मचारीके लाग निवृत्तिभरणसम्बन्धी व्यवस्था रहल बा । औरेओर, ऐनके दफा ५८ कर्मचारीके सेवाके सर्तके सुरक्षाहे महत्व डेले बा । नियुक्तिके समयमे लागु रहल तलब, उपदान, निवृत्तिभरण तथा अन्य सेवा सुविधामे कर्मचारीके स्वीकृतिबिना प्रतिकूल असर परना मेरिक परिवर्तन करे नैहुइना व्यवस्था यीसँग सम्बन्धित बा । यी पृष्ठभूमिमे नयाँ कानुनसे विद्यमान कर्मचारीके अवकाश उमेर वा सेवा अवधिमे परिवर्तन करलेसे प्रश्न केवल 'सरकारसे कानुन बनाइ सेक्ना कि नैसेक्ना ?' कना नैरहठ । प्रश्न यी फेन हो कि अइसिन परिवर्तन विद्यमान कर्मचारीके सेवा सर्त, वैधानिक अपेक्षा, समानता ओ न्यायोचित व्यवहारके सिद्धान्तसँग कत्राके मेल खाइठ ।

अवकाश ओ समानता

प्रस्तावित व्यवस्था संक्रमणकालीन प्रकृतिके डेखाइठ । ऐन प्रारम्भ हुइल दिनहे आधार मानके ५५ वर्ष पुगल वा ३० वर्ष सेवा पूरा करल कर्मचारीहे अवकाश डेना ओ बाँकी कर्मचारीके लाग अवकाश उमेर ६० वर्ष कायम करना व्यवस्था होके एक सेवामे कार्यरत कर्मचारीबिच कानुन लागु हुइल मितिके कारण सेवा अवधिमे भारी अन्तर परे सेकि । उदाहरणके लाग, ऐन लागु हुइनासे कुछ दिनआघे ५५ वर्ष पुगल कर्मचारी अवकाश लेहेपरना मने ऐन लागु हुइल कुछ दिनपाछे ५५ वर्ष पुग्ना कर्मचारी ६० वर्षसम सेवा करे पैना अवस्था सिर्जना हुइलमे दुई कर्मचारीबिच सेवा अवधिमे करिब पाँच वर्षसमके अन्तर हुइ सेकि । ओस्टेक ३० वर्ष सेवा पूरा करल कर्मचारी ओ २९ वर्ष ११ महिना सेवा करल कर्मचारीके अवस्थासमेत फरक हुइ सेकि । यिहिनसे समान अवस्थामे रहल कर्मचारीहे समान व्यवहार करना प्रशासनिक न्यायके प्रश्न उठे सेकि ।

> निजामती प्रशासनमे संरचनात्मक सुधार अपरिहार्य बा । अनावश्यक दरबन्दी, सुस्त वृत्ति विकास, कार्यसम्पादनके कमजोरी, प्रविधि अनुकूलनके अभाव ओ नयाँ पुस्ताके लाग सीमित अवसर जैसिन समस्याके समाधान करे परठ मने प्रशासन सुधार ओ अनुभवी कर्मचारीके सामूहिक बहिर्गमन एक विषय नाइहो । ५५ वर्ष उमेर वा ३० वर्ष सेवा अवधिके आधारमे एकचो भारी संख्यामे कर्मचारीहे अवकाश डेलेसे नयाँ पुस्ताके लाग अवसर सिर्जना हुइ सेकि; मने उसँगे संस्थागत स्मृति, प्रशासनिक निरन्तरता ओ नेतृत्व क्षमतामे क्षति पुग्ना जोखिम फेन रहठ । टबेमारे राज्यके नीति अनुभवहे विस्थापित करना नाइकि, अनुभवहे हस्तान्तरण करना हुइ परठ । पुरान पुस्ताहे सम्मानपूर्वक व्यवस्थापन करटि नयाँ पुस्ताहे योजनाबद्ध रूपमे नेतृत्वमे नाने परठ । स्वैच्छिक अवकाश, आकर्षक गोल्डेन ह्यान्डसेकलगायतके सुविधा, दरबन्दी पुनरवलोकन, प्राकृतिक ह्रास ओ सेवानिवृत्ति, ज्ञान हस्तान्तरण, उत्तराधिकार योजना ओ कार्यसम्पादनमे आधारित वृत्ति विकासहे एकीकृत सुधार प्याकेजके रूपमे आघे बह्ना ढेर उपयुक्त डेखाइठ ।

सरकारसे कानुन बनाइ सेक्ना कि नैसेक्ना ?' कना नैरहठ ।

कानुनी ओ संवैधानिक विषय : नयाँ कानुनसे भविष्यके लाग नयाँ अवकाश उमेर तोक्न ओ विद्यमान कर्मचारीहे पुरान कानुन अन्तर्गत अपेक्षित सेवा अवधिसे आघे अवकाश डेना एक विषय नाइहो । नयाँ नियुक्त हुइना कर्मचारीके लाग ६० वर्षके अवकाश उमेर तोक्न सामान्य नीतिगत सुधार हुइ सेकि । मने पहिलेसे ५८ वर्षसम सेवा करना अपेक्षासहित सेवामे प्रवेश करल कर्मचारीहे बिचमे ५५ वर्ष वा ३० वर्ष सेवाके आधारमे अवकाश डेके सेवा सर्त ओ वैधानिक अपेक्षाके प्रश्न उठि । यिहिनहे स्वत: असंवैधानिक कहे नैमिलि । संसद्के कानुन निर्माण करना अधिकार व्यापक बा मने विद्यमान कर्मचारीके संरक्षित सेवा सर्तमे प्रतिकूल प्रभाव परना व्यवस्था ज्ञान टमान चो लिखित कानुनमे किल नैमिलठ । अइसिन ज्ञान कर्मचारीके लम्मा अनुभवसे विकसित हुइठ । एक चो भारी संख्यामे अनुभवी कर्मचारी अवकाशमे गैलमे सचिव, सहसचिव, उपसचिव ओ शाखा अधिकृत तहसम नेतृत्व तथा व्यवस्थापकीय रिक्तता आइ सेकि । यिहिनसे नयाँ पुस्ताके लाग पदोन्नतिके अवसर अवश्य बह्राइ सेकि, मने पर्याप्त नेतृत्व अनुभव ओ ज्ञान हस्तान्तरणाबिना जिम्मेवारी डेके प्रशासनिक जोखिम फेन उत्पन्न हुइ सेकि । टबेमारे पुस्तान्तरण आवश्यक रलेसे फेन उ केवल 'पुरान पुस्ताके बहिर्गमन' नाइकि, 'अनुभवसहितके नेतृत्व हस्तान्तरण' हुइ परठ ।

निजामती सेवाके मनोबल :

विशेषज्ञता आवश्यक परना क्षेत्रमे बाहिरसे निश्चित अवधिके लाग विज्ञ वा प्राविधिक जनशक्ति नानल व्यवस्था अपनमे अस्वाभाविक नाइकि मने ३० वर्ष सेवा करल अनुभवी कर्मचारीहे ५५ वर्षमे अवकाश डेहे ओहे प्रकृतिके जिम्मेवारी बाहिरसे करारमे नन्ले भर स्थायी सेवाभित्रे गम्भीर मनोवैज्ञानिक ओ व्यावसायिक प्रश्न उठे सेकि । टबेमारे बाह्य विशेषज्ञ नियुक्ति 'निजामती सेवाके विकल्प' नैकि 'विशेषज्ञताके पूरक व्यवस्था' हुइ परठ । खुला प्रतिस्पर्धा, स्पष्ट योग्यता, निश्चित कार्यक्षेत्र, समयसीमा ओ हित-द्वन्द्व नियन्त्रणके आधारमे किल अइसिन व्यवस्था प्रभावकारी हुइ सेकि ।

अवकाशके सकारात्मक उद्देश्य

प्रस्तावित व्यवस्थाके सकारात्मक उद्देश्यहे फेन कम आँके नैमिलि । प्रशासनमे पुस्तान्तरण, पदोन्नतिके अवसर विस्तार, नयाँ सिप ओ प्रविधिके प्रवेश, संगठन पुनर्संरचना तथा कर्मचारी संख्या व्यवस्थापन आवश्यक विषय हो । लम्मा समयसम एक संरचना कायम रहिके पदोन्नति सुस्त हुइना ओ युवा कर्मचारीमे निराशा उत्पन्न हुइना समस्या आइ सेकि मने मूल प्रश्न 'पुस्तान्तरण करना कि नैकरना ?' नाइहो 'पुस्तान्तरण कैसिक न्यायोचित, योजनाबद्ध ओ प्रशासनिक रूपमे सुरक्षित बनैना ?' कना हो ।

अवकाशके वैकल्पिक उपाय

यदि सरकारके उद्देश्य कर्मचारी संख्या व्यवस्थापन ओ नयाँ पुस्ताहे अवसर डेना हो कलेसे सामूहिक अनिवार्य अवकाशसे वैज्ञानिक विकल्प अपनाइ सेक्जाइ । जस्टे पहिल, आकर्षक स्वैच्छिक अवकाश योजना । निश्चित उमेर वा सेवा अवधि पूरा करल कर्मचारीहे अतिरिक्त आर्थिक सुविधा, निवृत्तिभरण सुरक्षा, स्वास्थ्य बिमा, परामर्श सेवामे अवसरलगायतके सुविधा डेके स्वैच्छिक अवकाशहे आकर्षक बनाइ सेक्जाइ । दोसर, दरबन्दी पुनरवलोकन । प्रत्येक मन्त्रालय, विभाग ओ कार्यालयके कार्यबोझ, आवश्यक सिप ओ जनशक्तिके वैज्ञानिक अध्ययन कैके अनावश्यक दरबन्दीमे नयाँ नियुक्ति रोके सेक्ना । तेसर, पदपूर्तिमे रोकावट । स्वाभाविक अवकाशसे खाली हुइना पदमध्ये आवश्यकता अनुसार किल पदपूर्ति करना नीति अवलम्बन करे सेक्जाइ । यिहिनसे एक चो प्रशासनिक झट्का नैडेके क्रमश: कर्मचारी संरचना सन्तुलित करना सहयोग पुगि । चौठा, संस्थागत ज्ञान हस्तान्तरण । अवकाशआघे वरिष्ठ कर्मचारीसे महत्वपूर्ण कार्य, निर्णयके संस्थागत इतिहास, चालु परियोजना, सरोकारवाला सम्पर्क, जोखिम ओ आगामी कार्ययोजना व्यवस्थित रूपमे हस्तान्तरण करैना व्यवस्था करे परठ । पाँचौं, अनुभवी कर्मचारीसे विज्ञताके अनुशिक्षण । अवकाश लग्गे पुगल दक्ष कर्मचारीहे नीति परामर्श, प्रशिक्षण, परियोजना मूल्यांकन, संस्थागत क्षमता विकास तथा अन्तर्राष्ट्रिय समन्वयमे निश्चित अवधिके लाग परिचालन करे सेक्जाइ । यिहिनसे अनुभवी जनशक्तिहे राज्यके सम्पत्तिके रूपमे उपयोग करे सेक्जाइ । *(बाँकी ३ पेजमे)*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्चुलेन्स नम्बर
९८३४६८९६१७, ९८५८४३७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८, ९८१४६६०३८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१३९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१३२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०३०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९३५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बङ्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२३४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०१
घोडाघोडी अस्पताल सुख्खड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिओटी ०९१-५२३९९८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२५६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ब्रानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७९९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२५११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

अमेरिकी अदालतके कठघरामे नरेश

गोसिनिया हत्या अभियोगमे डेलै इन्कारी बयान

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १९ कार्तिक । सामाजिक सञ्जालसे सुरु हुइलके प्रेम सम्बन्ध । ओकरपाछे विवाह ओ अमेरिकामे सँगे लावा जीवनके सुरुवात । छोरीके जन्मसँगे परिवार पूरा हुइल खुसी । मने, उहे सम्बन्ध कुछ वर्षमे असिन तिक्त बनल कि गोसिया-गोसिनिया बीच दिनहुँ झगडा सुरु हुइल लगल । एकअर्काहे धम्की डेना, आर्थिक कारोबारमे विवाद हुइना ओ घरेलु हिंसासमके आरोप सार्वजनिक हुइल । अन्ततः गोसिनिया बेपत्ता हुइल ओ गोसिया उहाँके हत्या करल अभियोगमे अमेरिकी अदालतमे कठघरामे उठेक परल ।

इ कथा हो, कञ्चनपुरके बेल्डाँडीके नरेश भट्ट ओ उहाँके गोसिनिया काभ्रेके ममता काफ्ले भट्ट । अमेरिकामे नर्सके रूपमे कार्यरत ममता सन् २०२४ जुलाईके अन्तिम सातासे बेपत्ता बटी । उहाँके हत्या करके शव टुक्राटुक्रा पारके फ्याँकेके अभियोगमे गोसिया नरेशसे अब्बे भर्जिनियाके प्रिन्स विलियम काउन्टी सर्किट कोर्टमे मुद्दा खेपटीरहल बटै । मने, ममताके शव अभिनसम फेला परल नै हो ।

ममता बेपत्ता हुइलके घटनाके एक महिनासे सुनुवाइ हुइटीरहल बा । अदालतमे उहाँहुकनके वैवाहिक सम्बन्धके अनेक पाटा खुल्टीरहल बटै । बुधसे बचाउ पक्षसे नरेशहे साक्षीके रूपमे कठघरामे उठाके बयान सुरु करल बा । बयानके क्रममे नरेशसे सन् २०२४ के सुरुवातसे अपनबीच दिन दिनने झगडा हुइल करना स्वीकार करलै । अपने ममताहे सम्बन्धविच्छेदके धम्की डेना करल ओ ममतासे आत्महत्या कैना धम्की डेना करल उहाँके दाबी रहे ।

नरेशके अनुसार ममताके पकाइल भाट उहाँ नै खाइ । कबु कबु ममतासँगे पूर्ण रूपमे बोलचाल बन्द करलै । सुरुमे ओस्टे बेवास्ता करके ममता शान्त हुइना करलफे पाछे उहाँसे काम कैना छोरलके उहाँसे अदालतमे बटैलै । वैवाहिक सम्बन्ध विषाक्त बनलके स्वीकार करल



उहाँ कहलै ममताउप्पर कबु शारीरिक हिंसा नैकरल दाबी करल बटै ।

मने, ममताके आफन्त ओ साथीहुकनके बयान अदालतमे नरेशसे डेहल बयानसंगे मेल नै खाइट । ममताके भाइ महेश काफ्लेसे फेब्रुअरीके सुरुवातओर ममतासे अनुहारमे चोट ओ नीलडाम डेखल तस्बिर पठाइल बटैले बटै । आवश्यक परल सुरक्षित ढारना कहटी ममतासे उ तस्बिर पठाइल उहाँके कहाइ बा । ममतासे घरमे अपन सरक्षित नैरहल बाट पटकपटक बटाइल करलफे महेशसे अदालतमे बटैले रहिट । ममताके संघरिया सरिता न्यौपानेसेफे नरेशसे कुटपिट कैना करल बाट ममता अपनही बयान डेहल बटी । सरिताके सहयोगमे ममतासे अलग बैंक खाता खोललके विषयसमेत अदालतमे उठल बा ।

एक हजार डलरके विवादसे आत्महत्याके लग उक्साइल सन्देशसम

नरेशके बयानमे आर्थिक विवाद ओ उहाँहुकनबीच आदानप्रदान हुइल सन्देशसेफे ठाउँ पाइल । सन् २०२४ के भ्यालेन्टाइन डेमा ममता संघरिया सरितासँगे बाहर घुम्न गिलके ओ अपनहेफे सँगे जान आग्रह करल नरेश बटैलै । मने, नेपाली चाडपर्व नैहुइल कहटी अपने नैगिलके उहाँके कहाइ रहे ।

ममता घर लौटलपाछे संयुक्त बैंक खातासे एक हजार अमेरिकी डलर निकाराल उहाँ पाटा पैलै । उ बारे पुछके ममतासे अपन पैसा नैनिकारल जवाफ डेहटी नरेश बटैलै । मने, उहे दिन ममतासे अपन व्यक्तिगत चेकिङ ओ बचत खाता खोललके बैंक अभिलेखसे डेखल बा । सरिता नरेशसे ममताके पैसा नियन्त्रणमे राख्ना करल अलग खाता खोल्ना सहयोग करल बयान डेहल रहिट । नरेश भर अपन कबु पैसा नैरोकल दाबी करल बटै ।

अदालतमे प्रस्तुत म्यासेजहे उहाँबीचके सम्बन्धमे रहलके तिक्तता झन प्रस्ट डेखल बा । ममतासे अपनहे घरसे निकारल महसुस हुइलके सन्देश पठाइल नरेशसे ओकर अर्थ अपन घरमे स्वागत नैकरल महसुस कैना किल हुइल व्याख्या करल रहे । एक अर्का संवादमे ममतासे पहिल खुसी हुइल दिनहे टिकटक भिडियो पठाइलपाछे नरेशसे आक्रोशपूर्ण जवाफ डेहल बा । ओकरपाछे ममतासे नेपाली भाषामे अपनहे आत्महत्याके लग उक्साइल काम नैकरना आग्रह करल सन्देश पठाइल रहिट । नरेशसेफे भविष्यमे ममतासे पछटैक पर्ना दिन आइना ओ पैसाके लग जेफे करेसेक्ना आशयके सन्देश पठाइलके अदालतमे स्वीकार करल बटै ।

सरकारी वकिलसे इ सन्देशहे धम्की ओ मानसिक दबाबके रूपमे व्याख्या करटीरहल बेला नरेशसे भर नेपाली भाषाके सन्देशके अनुवाद करके अर्थ बिग्रल जिकिर करल बटै । प्रहरी घरमे आइल कारण अपन जागिर ओ सुरक्षा स्वीकृति गुम्ना डरसे तनावमे ओस्टे सन्देश पठाइलके उहाँके स्पष्टीकरण बा ।

धनगढीके मेडिकल व्यवसायसे अमेरिकी सेनासम

कञ्चनपुरके बेल्डाँडी गाउँपालिका-२ घर हुइल नरेश करिब १० वर्षआघेसम धनगढीमे मेडिकल प्रतिनिधि (एमआर) के रूपमे काम करलै । सेती प्रादेशिक अस्पताल आसपासके दुई मेडिकलमे उहाँके लगानीसमेत रहल रहे ।

व्यवसाय माजा चल्टीरहलके बेला नरेश २०७३ सावन १४ गते अमेरिका उडलै । अमेरिकी सेनामे भर्ती हुइना उद्देश्यसहित अमेरिका पुगलके उहाँ एक वर्षपाछे २०७४ असारमे युएस आर्मीमे भर्ती हुइलै । पत्काउ पर्नाआघे उहाँ अमेरिकी सेनाके सूचना प्रविधि विभागमे कार्यरत रहिट ।

सामाजिक सञ्जालमार्फत ममतासँगे उहाँके चिनजान हुइल रहे । चिनजान प्रेम सम्बन्धमे बदलल ओ २०७७ मंसिर २५ गते उहाँहुकनसे विवाह करलै । विवाहके आठ महिनापाछे ममताफे अमेरिका पुगलीन । करिब एक वर्षआघे उहाँहुकनसे छोरीहे जन्म डेहल रहिट । ममताहे अन्तिमपटक सन् २०२४ जुलाई २७ मे कार्यस्थलमे डेखल रहे । जुलाई २९ मे नेपालमे रहलके आमासँगे भिडियो कल करलके ममताके ओकरपाछे फोन ओ सामाजिक सञ्जालमे कुछ गतिविधि नै डेखल । सहकर्मीहुकनके आग्रहमे अगस्ट २ मे प्रहरीसे उहाँहुकनसे घर पुगल सोधपुछ करके नरेशसे अपन अलग हुइना लागलके ओ ममता न्युयोर्क वा टेक्ससमे परिवारके सदस्यहे भेटे गिल हुइसेक्ना बटैल रहे । मने, अमेरिकामे ममताके परिवारके सदस्य नैरहल प्रहरी पाछे पत्ता लगल ।

करिब तीन सातापाछे प्रहरीसे घरमे खानतलासी करके नरेशहे पक्राउ करलै । अभियोजन पक्षके अनुसार उहाँसे जुलाई ३० ओर ममताके हत्या करके शव टुक्राटुक्रा पारके फोहोरके झोलामे राखके फ्याँकल रहे । ममताके शव भर अब्बेसम फेला परल नै हो । नरेशविरुद्ध प्रथम श्रेणीके हत्या, शवके अपमान ओ मृत शरीर लुकाइलके आरोपमे मुद्दा चल्टीरहल बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय

पूर्वी भारतमे 'मुरासु' चक्रवात

काठमाडौँ, १८ कार्तिक । पूर्वी भारतके तटीय क्षेत्रमे एक साताभित्रे मंगरके रोज आइल दोसर चक्रवात 'मुरासु' से भारी वर्षा कराके जनजीवन प्रभावित हुइल बा । यी चक्रवात आन्द्र प्रदेशके प्रकामस जिल्लास्थित ओंगोललग्गे तटीय क्षेत्रमे लरल हो ।

चक्रवात जमिनमे प्रवेश कैके हावाके गति १०० से ११० किलोमिटर प्रतिघण्टा ओ अधिकतम झोका १२० किलोमिटर प्रतिघण्टासम रहल बा । यिहे कारण आन्ध्र प्रदेश ओ तमिलनाडुके टमान क्षेत्रमे भारी वर्षा हुइल भारतीय समाचार माध्यम जनैले बा ।

सम्भावित जोखिमहे दृष्टिगत कैके आन्ध्र प्रदेश सरकार तटीय क्षेत्रसे ३० हजार मनैन्हे सुरक्षित स्थानमे सरले बा । प्रभावित क्षेत्रमे विद्यालय बन्द करल बा । रेल ओ कुछ हवाई उडान स्थगित करल बा । तीव्र हावाहुरीके कारण कुछ स्थानमे रुख ओ विद्युत्के पोल ढलल बा ।

भारतीय मौसम विज्ञान विभागके अनुसार चक्रवात जमिनओर आगे बह्के कमजोर हुइ । यकर प्रभावके कारण आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना, दक्षिणी ओडिसा ओ छत्तिसगढमे बुधसम भारी वर्षा जारी रहना अनुमान बा । चक्रवात कमजोर हुइटिलेसे फेन ओकरपाछे कुछ घण्टासम भारी वर्षा हुइना पूर्वानुमान करल बा । अधिकारीहुक्रे वर्षाके कारण तल्लो क्षेत्रमे बाढ अइनाके साथे जनजीवन प्रभावित हुइ सेक्ना चेतावनी डेले बटैं । भारतीय मौसम विभागके अनुसार तटीय क्षेत्रमे १.५ मिटरसम ढेंग समुद्री छाल उठे सेक्ना सम्भावना बा ।

मुरासु चक्रवात बंगालके खाडीमे विकसित हुइल हो । यी क्षेत्रके न्यानो समुद्री पानीसे पूर्वी भारत, बंगलादेश ओ म्यान्मारमे प्रभाव परना घातक चक्रवातहे ऊर्जा प्रदान करटि आइल बा । यीआघे गैल साता आइल 'अर्णव' नामके शक्तिशाली चक्रवातसे आन्ध्र प्रदेशमे छ जहनके ज्यान लेले रहे ओ भारी मात्रामे बालीनाली नष्ट करले रहे ।

आठ जाने बेपत्ता

भारतके उत्तरी पहाडी राज्य उत्तराखण्डमे भारी हिमपात ओ खराब मौसमके कारण सात जाने पदयात्री ओ एक जाने पथप्रदर्शकसहित आठ जाने छ दिनसे बेपत्ता हुइल बटैं । स्थानीय अधिकारी मंगरके रोज उहाँहुक्रे बेपत्ता हुइल पुष्टि करले बा । पदयात्री अक्टोबर २७ मे उत्तराखण्डके केदारताल क्षेत्रमे तीनदिने पदयात्राके लाग निक्रल रहैं । अक्टोबर २९ मे उ क्षेत्रमे भारी हिमपात हुइटिरहल बेला हिमपहिरो गैल रहे ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

१ लाख ३० हजार बराबरके सामान नियन्त्रण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १९ कार्तिक । कैलाली ओ कञ्चनपुर जिल्लाके टमान ठाउँसे १ लाख ३० हजार बराबरके सामान नियन्त्रण करल बा ।

अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानलके अन्दाजी मूल्य रु. ९९ हजार ६ सय बराबरके टमान मेरके पटाकाहे नियन्त्रण करल बा । बुधके रोज जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली ओ मातहत कार्यालयसे खटलके प्रहरी टोली फेला पारके आवश्यक प्रक्रिया पुरा करके नियन्त्रणमे लेहल बा ।

ओस्टेक करके, कञ्चनपुर जिल्लाके टमान ठाउँसे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल अन्दाजी मूल्य रु. ३० हजार ८ सय बराबरके टमान मेरके पटाका ओ किराना सामानहे नियन्त्रण करल बा ।

बुधके रोज जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुर ओ मातहत कार्यालयसे खटल प्रहरी टोलीसे बेवारिसे अवस्थामे फेला पारके आवश्यक प्रक्रिया पुरा करके नियन्त्रणमे लेहल बा ।

निजामतीमे सुधार...

आवश्यक संस्थागत सुधार : अवकाश उमेर परिवर्तन से किल निजामती सेवा सुधार नैहुइ । यीसँगे संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षणके आधारमे दरबन्दी निर्धारण, क्षमतामे आधारित निजामती सेवा, कार्यसम्पादनमे आधारित वृत्ति विकास, उत्तराधिकार योजना, नेतृत्व विकास ओ डिजिटल ज्ञान व्यवस्थापन आवश्यक बा । बाह्य विशेषज्ञ नियुक्तिमे फेन पारदर्शी मापदण्ड ओ स्पष्ट कार्यक्षेत्र आवश्यक रहठ । यदि ५५ वर्ष वा ३० वर्ष सेवा पुगल कर्मचारी व्यवस्थापन करेपरना निष्कर्षमे सरकार पुगल हो कलेसे चार चरणके संक्रमण मोडेल उपयोगी हुइ सेकि- पहिल, संगठन ओ कार्यसम्पादनके आवश्यकता मूल्यांकन दोसर, आकर्षक स्वैच्छिक अवकाश तेसर, अत्यावश्यक विशेषज्ञ पदमे सीमित सेवा निरन्तरता ओ चौठा, रिक्त पदमे प्रतिस्पर्धात्मक रूपमे नयाँ पुस्ताके प्रवेश । साथे कर्मचारी समायोजनके सन्दर्भमे सम्मानित सर्वोच्च अदालतसे सरकारके नाममे डेना एघार बुँदे निर्देशनात्मक आदेशके फेन ख्याल करेपरना रहठ ।

निष्कर्ष : निजामती प्रशासनमे संरचनात्मक सुधार अपरिहार्य बा । अनावश्यक दरबन्दी, सुस्त वृत्ति विकास, कार्यसम्पादनके कमजोरी, प्रविधि अनुकूलनके अभाव ओ नयाँ पुस्ताके लाग सीमित अवसर जैसिन समस्याके समाधान करे परठ मने प्रशासन सुधार ओ अनुभवी कर्मचारीके सामूहिक बहिर्गमन एक विषय नाइहो । ५५ वर्ष उमेर वा ३० वर्ष सेवा अवधिके आधारमे एकचो भारी संख्यामे कर्मचारीहे अवकाश डेलेसे नयाँ पुस्ताके लाग अवसर सिर्जना हुइ सेकि मने उसँगे संस्थागत स्मृति, प्रशासनिक निरन्तरता ओ नेतृत्व क्षमतामे क्षति पुग्ना जोखिम फेन रहठ । टबेमारे राज्यके नीति 'अनुभवहे विस्थापित करना' नाइकि, 'अनुभवहे हस्तान्तरण करना' हुइ परठ । पुरान पुस्ताहे सम्मानपूर्वक व्यवस्थापन करटि नयाँ पुस्ताहे योजनाबद्ध रूपमे नेतृत्वमे नाने परठ । स्वैच्छिक अवकाश, आकर्षक गोल्डेन ह्यान्डसेकलगायतके सुविधा, दरबन्दी पुनरवलोकन, प्राकृतिक ह्रास ओ सेवानिवृत्ति, ज्ञान हस्तान्तरण, उत्तराधिकार योजना ओ कार्यसम्पादनमे आधारित वृत्ति विकासहे एकीकृत सुधार प्याकेजके रूपमे आघे बह्ना ढेर उपयुक्त डेखाइठ ।

अन्ततः निजामती सेवा सुधारके सफलता 'कत्रा कर्मचारी अवकाशमे गैलैं ?' कना प्रश्नसे नाइकि, "अवकाश ओ पुस्तान्तरणपाछे राज्यके प्रशासन और सक्षम, उत्तरदायी, व्यावसायिक ओ प्रभावकारी हुइल कि नैहुइल ?" कना प्रश्नसे मापन करे परड । टबेमारे प्रस्तावित ५५ वर्ष वा ३० बर्से एक चोके अनिवार्य अवकाश व्यवस्थाउप्पर छलफल करलेसे कर्मचारीके व्यक्तिगत हित ओ सेवा सुरक्षासँगे राज्यके संस्थागत स्मृति, सार्वजनिक सेवा निरन्तरता, प्रशासनिक दक्षता ओ सुशासनके दीर्घकालीन हितहे केन्द्रमे ढैके आवश्यक परिमार्जनसहित आघे बह्ना उचित रहठ ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



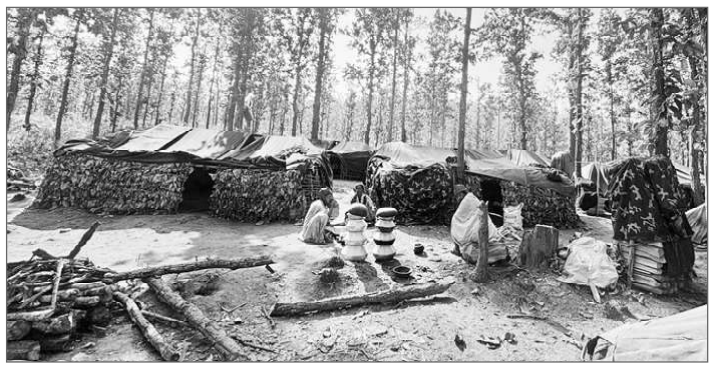
२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

डेवारी खर्च जुटैना पाल्पा पुग्लै राउटे



पाल्पा, १९ कार्तिक । राउटे समुदायके पाँच जाने सदस्य पाल्पा आपुगल बटै । डेवारी लग्गे आइलसंगे चाडपर्वके खर्च जुटैना ओइने पाल्पा आपुगल हुइट । राउटे नेपालके लोपोन्मुख जाति हो ।

कर्णाली प्रदेशके सुर्खेतमे बसोबास करटी आइल ओइने तानसेन बजारमे अपने हातसे निर्माण करल पिर्का, आरी, कोसीलगायत काठके सामग्री बिक्री करटी सहयोग संकलनमे जुटल बटै ।

गाडीमे चिहुरके पाल्पा आपुगल ओइनके मुख्य उद्देश्य डेवारी मनाइक लाग आवश्यक खर्च जुटैना हो । पुस्तौंसे अपनैटी आइल परम्परागत सीप ओ श्रमसे तयार पारल काठके सामग्री बिक्री करके दैनिक गुजारा चलैनाके साथे चाडपर्वके लाग खर्च जुटैना करल समुदायके सदस्य बन्दवीर शाही बटैलै ।

"आब डेवारी आसेकल, मिठा खैनाचिज खाई परठ," शाहीसे कहलै, "हमार ठेन पैसा नैहो । टबमारे अपनही बनाइल भाँडाकुँडा बेच्न ओ सहयोग मग्ना करल बटी ।"

उहाँक अनुसार विगतमे बनुवाके रुखुवासे काठके ठेकी, कोसीलगायत सामग्री बनाके बिक्री करके जीविकोपार्जन कैना करल रहे । अब्बे बनुवामे रुखुवा कट्ना सहज नैहुइलपाछे परम्परागत पेसासे आम्दानी कैना कठिन हुइल ओइनके गुनासो बा ।

"पहिले बनुवामे रहल रुखुवन काटके ठेकी, कोसी बनाके बिक्री करी ओ अपन खर्च चलाई । अब्बे रुखुवा काटे नैपाइठ । टबमारे हमारसंगे पैसा नैरहठ ओ सहयोग उठाई नेंगे परठ," उहाँ कहलै ।

डसियाफे ओस्टेक करके खर्च जुटाके मनाइल बटैटी शाहीसे डेवारीमे समुदायके सदस्यसँग रहरङ्गी कैना ओ मिठामसिना खैना कुछ रकम जुटैना आशासहित पाल्पा आइल सुनैलै ।

ओइनसे काठके सामग्री बिक्री करटी रहल दृश्यसे स्थानीयवासी तथा बजारमे आवतजावत कैना सर्वसाधारणके ध्यान आकर्षित करले बा । परम्परागत सीपसे निर्माण करल काठके सामग्री हेर्न ओ खरिद कैना स्थानीयसे चासो डेखैले बटै ।

आधुनिक जीवनशैली ओ बजारमे टमान मेरिक औद्योगिक सामग्रीके प्रयोग बह्रटी गैल अवस्थामे राउटे समुदाय भर पुस्तौंसे अपनैटी आइल परम्परागत सीपहे निरन्तरता डेटी आइल बटै । ओइने प्रत्येक जिल्ला जैना, स्थानीय तह ओ अन्य सरकारी कार्यालयमे पुरन ओ समुदायके लाग चाडपर्व खर्च सङ्कलन कैना करल बटै ।

कौनो दिन 'पैसा छुलेसे पाप लागठ' कना राउटे आजकाल्ह अन्नसँग सामग्री सट्नासेफे पैसामे सटना सहजुल माने लागल बटै । ओइने तस्वीर खिचल पैसा मागे लागल बटै । बाँदरके सत्त्या घटटी जैना, सामुदायिक वनमे रुखुवा सहुले काटे नैपैना तथा टमान संघसंस्थाके प्रभाव राउटे समुदायमे बहना राउटे विस्तारे परनिंभर बन्टी गैल हुइट ।

सवारी दुर्घटनामे १ जानेके मृत्यु, ६ जाने घाहिल

पहुरा समाचारदाता

बैतडी, १९ कार्तिक । बैतडी जिल्लाके मेलौली न.पा. वडा नं १ जिरो पोईन्ट स्थित सौडानी खोलामे डडेल्धुरा सदरमुकामसे पन्चेश्वर ओर जाइटी करल सु.प.प्र. ०१-००१ ज १६३८ नं.के जीप अनियन्त्रित हुइ सडकसे अन्दाजी ३०/३५ मिटर तरे गिरके १ जानेके मृत्यू, ६ जाने घाहिल हुइल बटै ।

बुधके रोज बेलुका दुर्घटना हुइल जीपमे सवार चालक सहित ७ जाने मध्ये जिल्ला बैतडी पञ्चेश्वर गा.पा वडा नं. २ बैठना वर्ष ३५ के सुना मंगोलाके प्राथमिक स्वास्थ्य चौकी मेलौलीमे उपचारके क्रममे मृत्यू हुइल बा । अन्य घाहिल ६ जानेके उपचार हुइटीरहल बा । इ सम्बन्धमे प्रहरी आवश्यक अनुसन्धान करटीरहल जनैले बा ।

बाइस प्रतिशत किशोरी आमा



पहुरा समाचारदाता

हुम्ला, १९ कार्तिक । हुम्लामे २० वर्षमुनि सुत्केरी हुइना किशोरीके संख्या बह्रटी गिल बा । बालविवाह न्यूनीकरणके लग कानुनी व्यवस्था, जनचेतनामूलक अभियान ओ टमान कार्यक्रम सञ्चालन हुइलफे हुम्लामे एकरके प्रभाव अपेक्षा अनुसार नैडेखल इ संख्या बह्रटी गिल हो ।

स्वास्थ्यसेवा कार्यालयसे उपलब्ध करलके विवरण अनुसार स्वास्थ्य संस्थामे सुत्केरी हुइना आइलके गर्भवतीमध्ये २२ प्रतिशतसे ढेर किशोरी २० वर्षमुनिका रहल बटै । जिल्लामे सुत्केरी हुइलके ७७३ जानेमध्ये २० वर्षमुनि उमेरमे सुत्केरी हुइना किशोरीके सत्त्या १७५ जाने बटै । इ संख्या २२.६३ प्रतिशत पुगल बा । गत अगहनके महिनासम इ उमेरमे सुत्केरी हुइना किशोरीके दर २० प्रतिशत रहल रहे । तथ्याङ्क अनुसार इ सत्त्या हरेक गाउँपालिकामे वृद्धि हुइटी गिल बा ।

बालविवाहके कारण किशोरी छोट उमेरमे आमा बन्नेकपर्ना अवस्था सिर्जना हुइना ओ यिहीसे आमा ओ शिशु दुनुके स्वास्थ्यमे गम्भीर जोखिम बह्रल सिमकोट गाउँपालिके स्वास्थ्य शाखाके प्रमुख नरबहादुर भण्डारीसे बटैलै । बालविवाह न्यूनीकरणके लग वकालत करटी आइलके संस्थासे कानुनी व्यवस्था किल पर्याप्त नैहुइलके ओ हुइलकेफे प्रभावकारी कार्यान्वयन हुइ नैसेकलके उहाँके कहाइ बा । स्वास्थ्य सेवा कार्यालय हुम्लाके वरिष्ठ अनमी सरिता बोहरासे प्रमुख भौगोलिक विकटता, अन्धविश्वास, कानुनी चेतनाके अभाव, गरिबी ओ सामाजिक सञ्जालके दुरुपयोग जस्ते कारणसे बालविवाह अभिन निरन्तर बह्रटी गिलके ओ जेकर कारण २० वर्षमुनि गर्भवती हुइना किशोरीके संख्या बह्रटी गिलके बटैलै ।

ओस्टेक चत्ल्ली गाउँपालिकामे ७५ जानेमे २६ जाने, खार्पुनाथमे १०४ मे १९ जाने, सिमकोट गाउँपालिकामे २१७ जानेमे ५८ जाने, सर्केगाड गाउँपालिकामे १३५ जानेमे १४ जाने, अदानचुलीमे १२९ जानेमे ४० जाने ओ ताँजाकोट गाउँपालिकाके ९६ जानेमे १८ जाने २० वर्षमुनिका किशोरी आमा बटै । ओस्टेक करके जिल्ला अस्पतालमे १३६ जाने सुत्केरीमे २८ जाने २० वर्षमुनिका बटै ।

विपत्को पूर्व तयारीमा जुटौं



- आपतकालिन सामग्री (खानेपानी, औषधि, टर्च, कागजात, आदि) सधैं तयार राखौं,
- जोखिमयुक्त ठाउँमा बसोबास नगरी सुरक्षित स्थान रोजौं,
- घर निर्माण गर्दा प्राविधिक मापदण्ड पालना गरौं,
- विद्यालय, कार्यालय र समुदायमा विपत् व्यवस्थापन योजना बनाऔं,
- अफबाहको पछि नलागौं - आधिकारिक जानकारीमा मात्र भर परौं ।

विपत् रोक्न सकिँदैन, तर क्षति घटाउन सकिन्छ ।

नेपाल सरकार

विज्ञापन बोर्ड

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।





संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा पश्चिम)

मो. ९८५८४२३९१२,

"लैंगिक समानताके लागि समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services



सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत

MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304

आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।
२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९